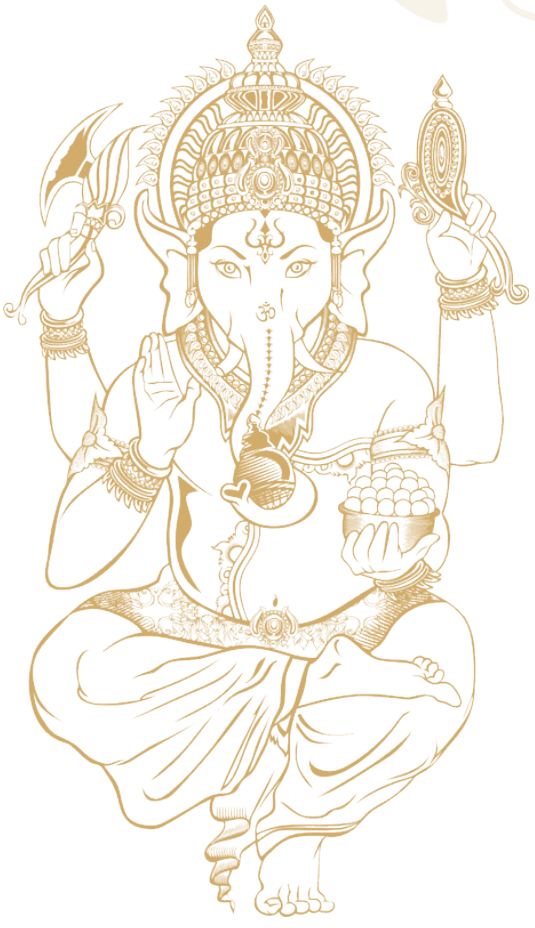

# Mr.shivalik

# Rajlakshmi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120602203

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 24/05/1994 | जन्म तिथि | 21/08/1999 |
| मंगलवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 17:34:00 | जन्म समय | 07:39:00 घंटे |
| घटी 31:23:52 | जन्म समय(घटी) | 05:35:38 घटी |
| India | देश | India |
| Patna | स्थान | Begusarai |
| 25:37:00 उत्तर | अक्षांश | 25:25:00 उत्तर |
| 85:12:00 पूर्व | रेखांश | 86:08:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:10:48 | स्थानिक संस्कार | 00:14:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:00:27 | सूर्योदय | 05:21:13 |
| 18:31:50 | सूर्यास्त | 18:15:45 |
| 23:46:56 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:55 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गुरु 3वर्ष 9मा 16दि | 27:40:24 | तुला | लग्न | कन्या | 03:45:08 | बुध 5वर्ष 4मा 21दि |
| बुध | 09:18:42 | वृष | सूर्य | सिंह | 03:45:21 | शुक्र |
| 11/03/2017 | 00:10:12 | वृश्चि | चंद्र | वृश्चि | 25:46:14 | 11/01/2012 |
| 11/03/2034 | 06:38:19 | मेष | मंगल | तुला | 28:27:11 | 11/01/2032 |
| बुध 07/08/2019 | 01:17:07 | मिथु | बुध | कर्क | 16:57:30 | शुक्र 13/05/2015 |
| केतु 03/08/2020 | 13:07:11 | तुला व | गुरु | मेष | 11:06:41 | सूर्य 12/05/2016 |
| शुक्र 04/06/2023 | 10:20:41 | मिथु | शुक्र व | सिंह | 02:49:08 | चन्द्र 11/01/2018 |
| सूर्य 10/04/2024 | 17:54:10 | कुंभ | शनि | मेष | 23:15:39 | मंगल 13/03/2019 |
| चन्द्र 09/09/2025 | 00:02:22 | वृश्चि व | राहु | कर्क | 19:02:37 | राहु 13/03/2022 |
| मंगल 06/09/2026 | 00:02:22 | वृष व | केतु | मक | 19:02:37 | गुरु 11/11/2024 |
| राहु 26/03/2029 | 02:20:08 | मक व | हर्ष व | मक | 20:26:32 | शनि 11/01/2028 |
| गुरु 02/07/2031 | 29:20:48 | धनु व | नेप व | मक | 08:27:30 | बुध 11/11/2030 |
| शनि 11/03/2034 | 02:43:37 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 13:53:24 | केतु 11/01/2032 |

**लग्न-चलित**

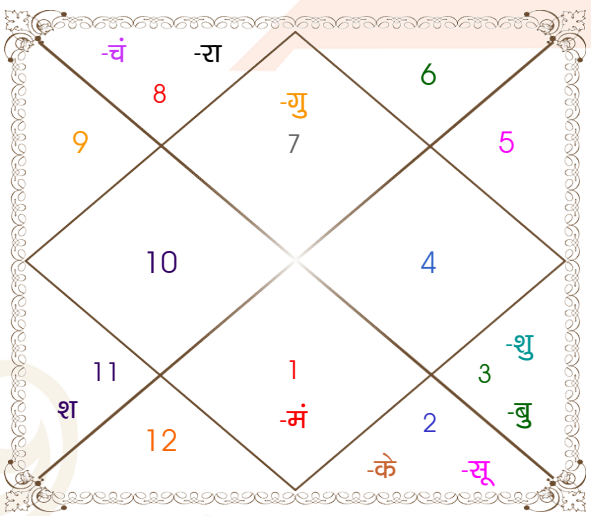


**लग्न-चलित**

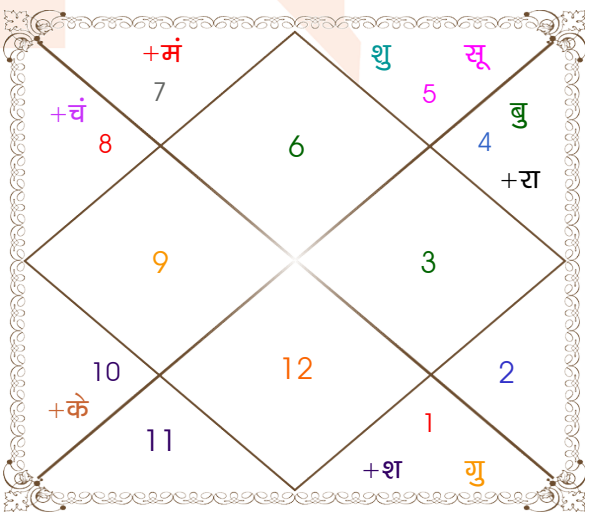

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | विप्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | कीटक | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | व्याघ्र | मृग | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | मंगल | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 31.50 | | |

डतणैपअंसपा का वर्ग सर्प है तथा त्ंरसींउप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैपअंसपा और त्ंरसींउप का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतणैपअंसपा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।**
**कुजदोषो न विद्यते।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतणैपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।**
**तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतणैपअंसपा कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्ंरसींउप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु त्ंरसींउप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणेपअंसपा तथा त्ंरसींउप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।